राजयोगिनी गीता दीदी,व्यापार और उद्योग प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका

# अभी ही समय है... समय को सफल करने का

सारे कल्प में संगमयुग का समय जिसके लिए बाबा कहते हैं कि सदा ऐसे कहो कल्याणकारी पुरुषोत्तम संगमयुग जिस समय स्वयं भगवान अपने जैसा बनाने, अपने सारे ज्ञान, गुण और शक्तियों का वर्सा देने हमारे सम्मुख उपस्थित होते हैं। ये तो हम सभी बाबा के बच्चों की बुद्धि में स्पष्ट है कि स्वयं भगवान ब्रह्मा मुख से हमारी अनेक जन्मों की भक्ति का फल ज्ञान देने के लिए आए हैं। हम ही वो भाग्यशाली गोप गोपिकाएं हैं जो भगवान से मिलन मनाकर चाहे रोज़ मनो मिलन मनाते हैं या सिज़न में सम्मुख आकर सम्मुख मिलन मनाते हैं और अतीन्द्रिय सुख का अनुभव करते हैं। तो सारे कल्प में एक ही बार बाबा का आना होता है। और उस संगमयुग का भी अंतिम चरण चल रहा है। जिसमें हम स्थापना और विनाश के नज़ारे देखेंगे।

बहुत गयी और थोड़ी रही, थोड़ी की भी थोड़ी अब वो समय चल रहा है। बाबा कहेंगे कि अब लेट तो हो ही गया है। टू लेट का बोर्ड लगने वाला है। ये सिर्फ नये आने वाले भाई-बहनों के लिए ही नहीं है, ये जो हम पहले आए हुए हैं, जिनको भगवान ने बहुत कुछ होमवर्क दिए, ऐसी कई बातें हैं जो हम सब अपने आप में महसूस करते होंगे कि जो हमें शुरु से करनी चाहिए थी वो अब तक नहीं कर पाये हैं। वो करने में हम बेशक लेट हो गए हैं। वो हर कोई खुद को जान सकते हैं कि इस जीवन की वो कौन-सी बातें हैं जो मेरे जीवन में प्रारम्भ में ही होनी चाहिए थी लेकिन कई कारणों से वो अब तक प्रैक्टिकल नहीं हो पाई हैं। और अब जब वो कर रहे हैं तो सचमुच महसूस होता है कि लेट हम हो गये हैं।

वो पालना व्यक्तिगत बाबा का, दादियों का, हमारे जीवन पर ध्यान, पढ़ाई की सुविधायें, शक्तिशाली आत्माओं का संग, शक्तिशाली वातावरण का संग, वो सब चीज़ें जो अवस्था बनाने में मददगार रहती हैं हम अनुभव करते हैं कि वो चीज़ें अब रही नहीं। बाबा कहते हैं ना पढ़ाई के दिन जैसे कि पूरे हो गए। पर अब वो दिन चले गए, कम हो गए इसीलिए अब जब वो रही हुई बातों को धारण करने का पुरूषार्थ हम करने लगते हैं तो महसूस होता है कि सचमुच लेट हो गए हैं। तो हम कह सकते हैं कि ये समय है व्यक्तिगत रूप से हरेक का खुद जाग्रत होकर अपने आप पर ध्यान देने का। वो सब बातें हम जानते हैं कि ये प्रभु मिलन का समय है, परिवर्तन का समय है, श्रेष्ठ कर्म के बीज बोने का समय है, अनेक जन्मों के भाग्य बनाने का समय है, भगवान पर न्यौछावर होने का समय है। भगवान जैसे बनने का समय है, ये सब मौके को हम जानते हैं तब तो दुनिया छोड़कर बाबा के बने हैं। और बाबा के ज्ञान-योग को जीवन में धारण करने लगे हैं। लेकिन हम ब्राह्मणों के हिसाब से ब्राह्मण बनने के बाद

**ये प्रभु मिलन का समय है, परिवर्तन का समय है, श्रेष्ठ कर्म के बीज बोने का समय है, अनेक जन्मों के भाग्य बनाने का समय है, भगवान पर न्यौछावर होने का समय है...**

अगर हम समय को पहचाने तो ये समय है सेल्फ अवेयरनेस का कि हम खुद स्वयं जाग्रत बनकर खुद, खुद का दीपक बनकर खुद के लिए पुरुषार्थी बनें। तब हम समय को सफल कर सकते हैं क्योंकि कोई भी चीज़ हम तब सफल कर सकेंगे जब उसका महत्त्व पता होगा। तो ये समय है सेल्फ के प्रति फोकस होने का। सेवायें जो बाबा हम बच्चों से कराना चाहते हैं वो काफी कुछ हम सबने दिन रात-तन-मन-धन-कर्म-वचन लगाकर की है और अब हम देखते हैं कि ऐसे बाबा के बच्चे तैयार हो गए हैं। हमारी सेवा के फलस्वरूप, ऐसे हमारे सम्बन्ध-सम्पर्क भी बन गए हैं कि अनेक आत्मायें सेवा करा रही हैं। पहले वो समय था कि हमें मेहनत करके सेवा उठानी पड़ती थी, लानी पड़ती थी, सेवा तैयार करनी पड़ती थी। लेकिन जैसे-जैसे ज्ञान का प्रभाव बढ़ता गया है, लोग ज्ञान की सत्यता को पहचानने लगे हैं तो अब लोग चाहते हैं कि ब्रह्माकुमारी बहनें आयें और ज्ञान दें। यहाँ सेवा करें, हमारे साथ मिलकर प्रोजेक्ट करें, चाहे उनके ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के सिलेब्स में, तो इससे दिखाई पड़ता है कि सेवा करने वाले हैण्ड्स, मौके, साधन तैयार हो गए हैं और सेवा ऑटोमेटिक सामने आ रही है। अब, जब लोग जाग चुके हैं, दुनिया ज्ञान की सत्यता को पहचान चुकी है, तो अब समय है कि हम उनके सामने एक ऐसे आदर्श के रूप में अपने आपको पेश कर सकें ताकि जो ज्ञान हम दे रहे हैं वो हमारे जीवन से, हमारे कर्म, व्यवहार, हमारे कारोबार, हमारी अवस्था में वो ज्ञान उनको हम दिखा सकें। माना प्रैक्टिकल प्रूफ बनकर हम उनके सामने आयें, ये ज़रूरी है।

जो बाबा हमसे चाहते हैं वो तीन बातें अगर सार रूप में कहें तो एक तो बाबा व्यक्तिगत रूप से बाप समान अवस्था हमारी चाहते हैं ताकि चलन और चेहरे से हम बाबा को प्रत्यक्ष कर सकें। और दूसरा हमारे आपसी सेवा, सम्बन्ध कारोबार, व्यवहार में हरेक सेन्टर, ज़ोन, सबज़ोन माना जो कुछ भी है निर्विघ्न देखना चाहते हैं और तीसरी बात कि हम मनसा से विश्व की आत्माओं को जो चाहिए शान्ति, सुख, खुशी, शक्ति, जो भी आत्माओं को चाहिए वो हम अपने वायब्रेशन से, योगबल से आत्माओं को दे सकें, अनुभव करा सकें। तो हम कह सकते हैं कि ये समय है इन सब चीज़ों को प्रैक्टिकल करने का, उसके लिए हमें और अन्तर्मुखी बनना होगा, स्वयं के प्रति ध्यान देना होगा। ताकि हम स्वदर्शन और स्वचिंतन कर सकें। और जो भी रही-सही बातें हैं बाप समान बनने में, जिसको बाबा ने कहा जिस भी धारणा की कमी है या कोई भी ऐसा स्वभाव-संस्कार है उसका परिवर्तन करके खुद को सम्पन्न और सम्पूर्ण बनाने का ये मौका है क्योंकि उसके बाद आगे चलकर परिस्थितियां भी ऐसी होंगी जो उस समय मन शांत रखने की मेहनत करेंगे तो नहीं होगा। अभी का जो समय चल रहा है वो सिर्फ संगम का ही समय नहीं है बल्कि इस संगम के समय में भी अपने आपको परखने का, बनाने का, चलाने का समय चल रहा है, ये हमारे लिए ज़रूरी है। तब हम कह सकते हैं कि हमने समय को सफल किया।

**सुन्नी-शिमला(हि.प्र.)।** ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति दिवस पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेन्द्र कंवर को साहित्य एवं प्रसाद देते हुए ब्र.कु. शकुंतला बहन तथा ब्र.कु. रेवा दास भाई।

**भरतपुर-राज.।** श्री हरि दत्त डिग्री कॉलेज के अंतर्गत राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव निरंजन आर्य,आईएएस के भरतपुर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा उनका स्वागत व सम्मान करते हुए ब्र.कु. प्रवीणा बहन, ब्र.कु. गीता बहन तथा ब्र.कु. पावन बहन। इस मौके पर ब्र.कु. कर्नल ओमवीर सिंह, ब्र.कु. जय सिंह, पी.सी. बेरवाल,आईएएस,संभागीय आयुक्त,भरतपुर संभाग, हिमांशु गुप्ता, आईएएस,जिला कलेक्टर भरतपुर, प्रशन्न कुमार,आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर संभाग, सुशील कुमार,आईएएस,सी ओ जिला परिषद्, गिरीश चौधरी,उपमेयर,नगर निगम भरतपुर, आलोक शर्मा,डायरेक्टर,श्री हरि दत्त कॉलेज भरतपुर आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

**दिल्ली-महरौली।** वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स डे के अवसर पर योग कॉन्फिडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा गोविंद सदन,महरौली नई दिल्ली में आयोजित 14वें नेशनल वुमेन एक्सीलेंसी अवॉर्ड 2021 में बहादुरगढ़,हरियाणा स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. अंजली दीदी को 'वुमेन एक्सीलेंसी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। इस मौके पर बाबा हरदीप सिंह,गोविंद सदन, हर होलीनेस मैरी पैट फिशर,गोविंद सदन, विजय तिवारी,प्रेसीडेंट,इंडो-यूरोपियन चेम्बर ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज़ेज़, विक्रमजीत सिंह,गोविंद सदन, एयर कमांडर जे.एस. दलाल, ब्र.कु. विजयलक्ष्मी बहन, महामंडलेश्वर पूजा जी,किन्नर अखाड़ा, इमाम ज़फर अली,गोविंद सदन, कैप्टन रामा आर्य,फर्स्ट कमर्शियल लेडी पायलट आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

**राँची-हरमू रोड(झारखण्ड)।** प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्मा बाबा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सार्जेंट मेजर पुलिस लाइंस अभिनव पाठक, नाबार्ड बैंक के डी.जी.एम. सुभाष चन्द्र गर्ग तथा सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला बहन।

**सिवान-बिहार।** स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र के 35वें वार्षिकोत्सव का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए स्थानीय विधायक अवध बिहारी चौधरी,पूर्व काबिना मंत्री, ब्र.कु. सुधा बहन तथा अन्य।

**घोड़ासहन-बिहार।** पूर्वी चंपारण के ढाका विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक पवन जायसवाल को ज्ञानचर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीरा बहन। साथ हैं ब्र.कु. जानकी बहन।

**जावरा-म.प्र.।** राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर सभी किसानों को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में कृषि विभाग के अनुविभागीय अधिकारी एन.के. छारी, पशु धन अधिकारी डॉ. पी.एस. कुशवाह, बननाखेड़ा कृषि फार्म क्षेत्र अधीक्षक राजेंद्र सिंह सोलंकी, ब्र.कु. सावित्री दीदी तथा अन्य।

**नोहर-राज.।** 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पंचायत समिति प्रधान सोहन ढील, ब्र.कु. रेखा बहन तथा अन्य।

**आनंद-सरदार बाग(गुज.)।** राष्ट्रीय किसान दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा कुंजराव गांव में आयोजित कार्यक्रम में गांव की सरपंच गीता बहन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. चेतना बहन। कार्यक्रम में अस्सी किसान भाई-बहनें, ब्र.कु. भीखा भाई तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।